विद्या- भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -प्रथम, विषय- हिंदी ,दिनांक-11-01-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित(कविता)

सुप्रभात बच्चों,

दिए, गए कविता याद करें तथा अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

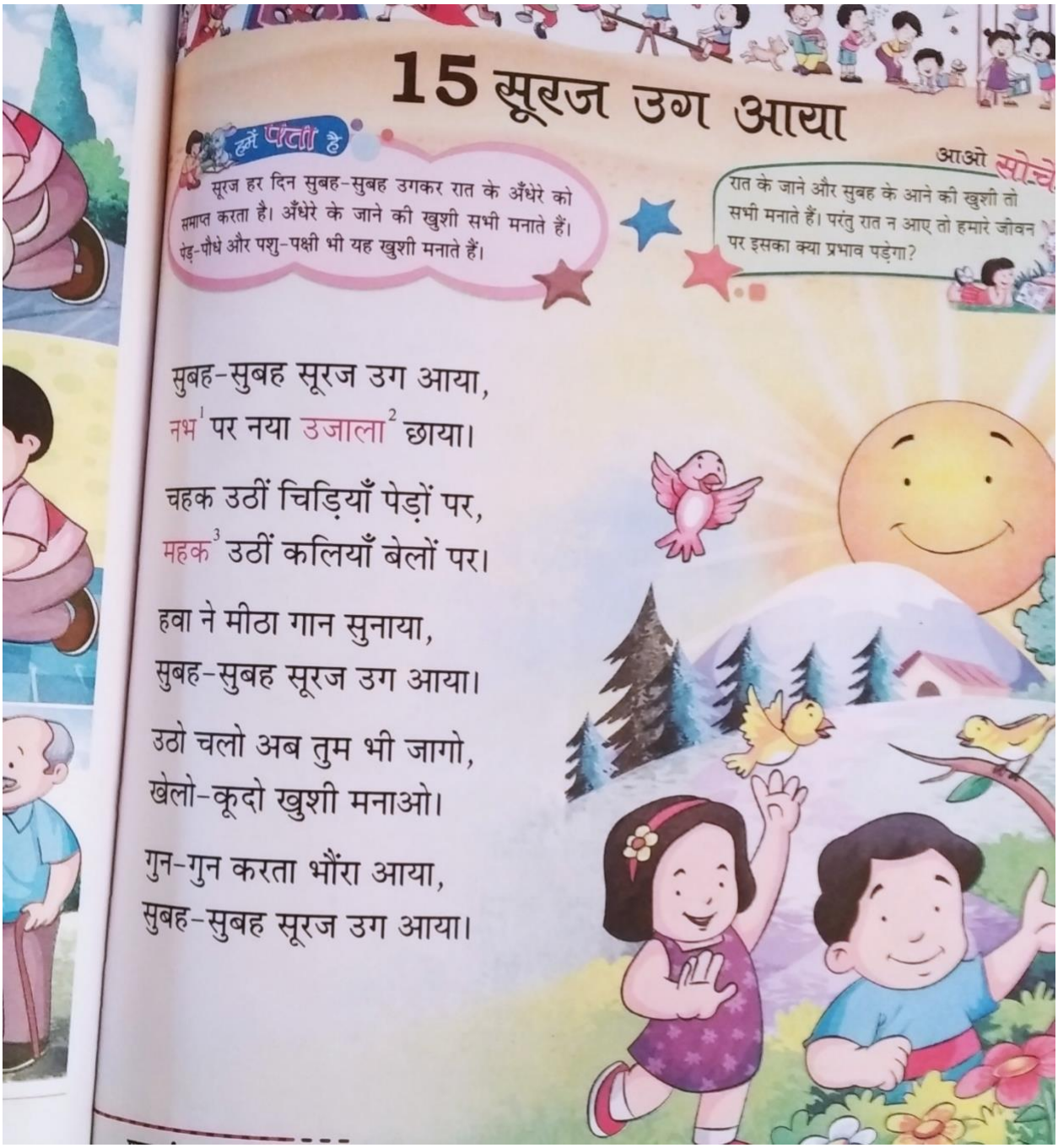

15 सूरज उग आया

हमें पता है

सूरज हर दिन सुबह-सुबह उगकर रात के अँधेरे को समाप्त करता है। अँधेरे के जाने की खुशी सभी मनाते हैं। पेड़-पौधे और पशु-पक्षी भी यह खुशी मनाते हैं।

आओ सोचें

रात के जाने और सुबह के आने की खुशी तो सभी मनाते हैं। परंतु रात न आए तो हमारे जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

सुबह-सुबह सूरज उग आया,
नभ[1] पर नया उजाला[2] छाया।

चहक उठीं चिड़ियाँ पेड़ों पर,
महक[3] उठीं कलियाँ बेलों पर।

हवा ने मीठा गान सुनाया,
सुबह-सुबह सूरज उग आया।

उठो चलो अब तुम भी जागो,
खेलो-कूदो खुशी मनाओ।

गुन-गुन करता भौंरा आया,
सुबह-सुबह सूरज उग आया।